# चम्पारण ज्ञानाग्रह

**प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 27 अगस्त 2026, अंक –344.**

**प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)**

**सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."**

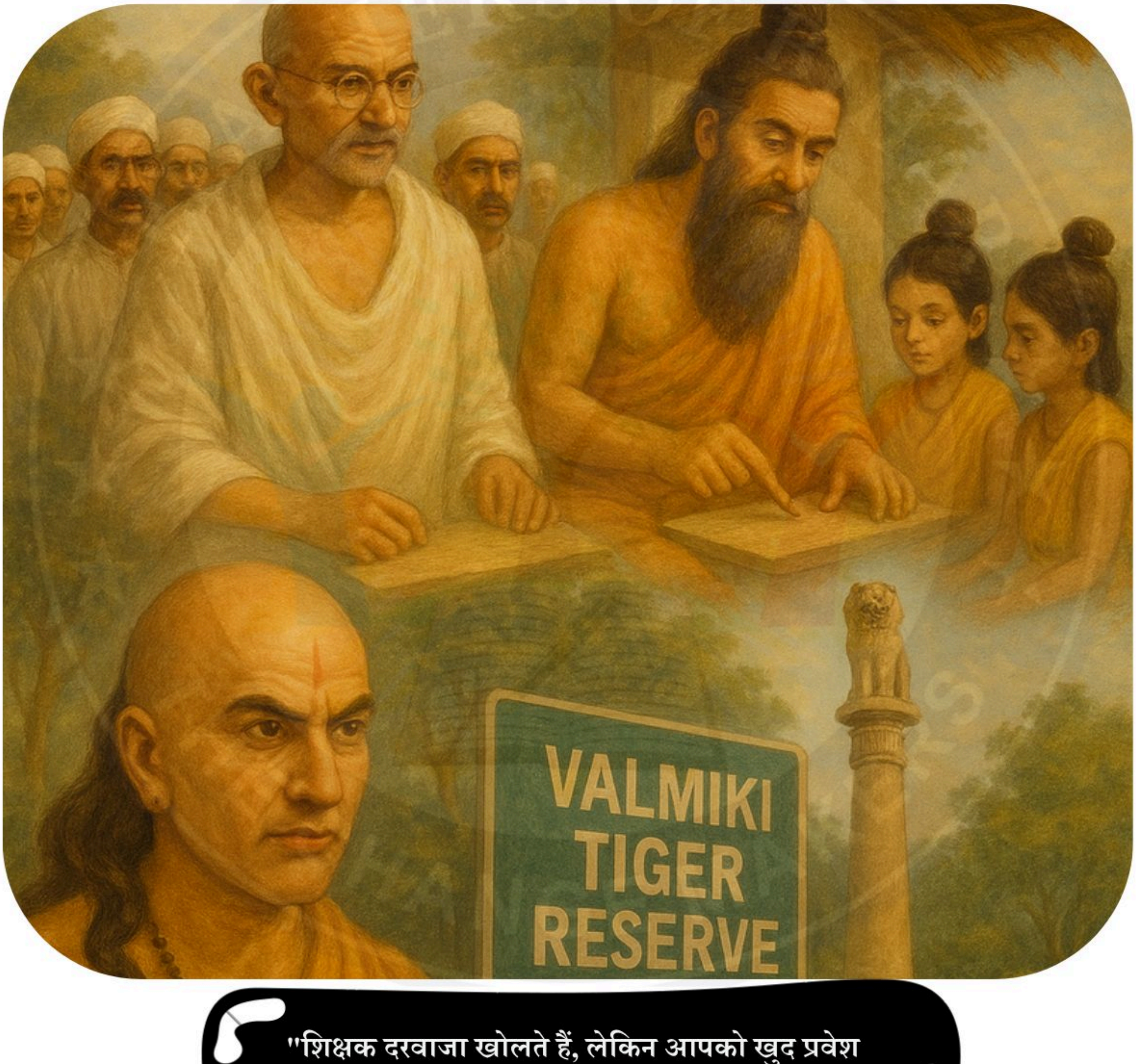


"शिक्षक दरवाजा खोलते हैं, लेकिन आपको खुद प्रवेश करना होगा।"

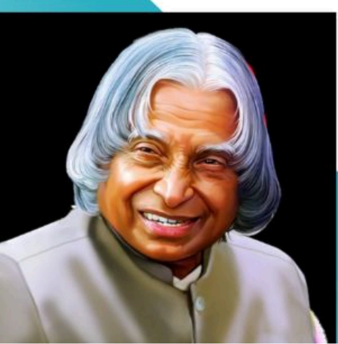

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

**संपादकः- शैलेन्द्र कुमार**

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

# "प्रार्थना-सभा सामग्री"

## Thursday Prayer

मुझे इस दुनिया में लाया, मुझे बोलना चलना सिखाया
ओ मात पिता तुम्हे वंदन, मैंने किस्मत से तुझे पाया।

मैं जब से जग में आया, बन तब से शीतल छाया,
कभी सहलाया गोदी में, कभी कांधे पर है बिठाया।
मेरे सिर पर हाथ रख कर, बस प्यार ही प्यार लुटाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मैं उठाकर सर चल पाऊ, इस लायक तुमने किया है।
कहीं हाथ नहीं फैलाऊ, मुझे इतना तुमने दिया है।
मुझे जग की रीत सिखाई, मुझे धर्म का पाठ पढ़ाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मां-बाप की आंखों से मैं, आंसू बनकर ना गीरूगा।
मां बाप का दिल जो दुखा दे, मैं ऐसा कुछ ना करूंगा।
मां बाप के रूप में मैंने, भगवान को जैसे पाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ....

जब देव भी मात पिता के, उपकार चुका ना पाए।
नागोड़ा दरबार प्रदीप, किन शब्दों में गुण गाए।
मैं फर्ज निभा पाऊं तो, समझूंगा अंश चुकाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ..

मुझे इस दुनिया में लाया मुझे बोलना चलना सिखाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

## बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

## राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

## राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

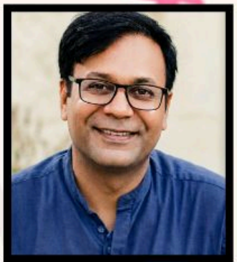

# संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

# मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

# मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

# वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

## सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. दक्षिण कोरिया की राजधानी क्या है?
उत्तर: सियोल
प्रश्न 2. भारत के पहले मुख्य चुनाव आयुक्त कौन थे?
उत्तर: सुकुमार सेन
प्रश्न 3. 'पंथी' किस राज्य का प्रसिद्ध लोकनृत्य है?
उत्तर: छत्तीसगढ़
प्रश्न 4. 3/4 को प्रतिशत में लिखिए।
उत्तर: 75%
प्रश्न 5. पावापुरी का जल मंदिर बिहार के किस जिले में स्थित है?
उत्तर: नालंदा
प्रश्न 6. किस जीव को 'रेगिस्तान का जहाज' कहा जाता है?
उत्तर: ऊँट
प्रश्न 7. टेलीविजन के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले भारतीय वैज्ञानिक कौन थे?
उत्तर: सत्येंद्र नाथ बोस
प्रश्न 8. भारत के सर्वोच्च न्यायालय का मुख्यालय किस शहर में है?
उत्तर: नई दिल्ली
प्रश्न 9. 'हाथ पर हाथ धरे बैठना' मुहावरे का अर्थ क्या है?
उत्तर: निष्क्रिय रहना
प्रश्न 10. मानव शरीर में भोजन का पाचन मुख्यतः किस तंत्र द्वारा होता है?
उत्तर: पाचन तंत्र

संकलन:-
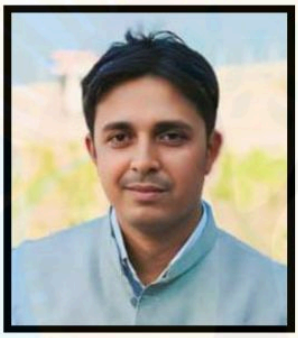
पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

## शब्द - संगम

Rootlet – (रूटलेट) – छोटी जड़
Twig – (ट्विग) – टहनी
Bud – (बड) – कली
Blossom – (ब्लॉसम) – पुष्प / फूल
Petal – (पेटल) – पंखुड़ी
Thorn – (थॉर्न) – काँटा
Pollen – (पॉलन) – परागकण

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

## English गप-शप

थीम: Simple Future Tense – "कितनी बार ... करोगे/करोगी?" (How often will you ...?)
तुम कितनी बार व्यायाम करोगे/करोगी? – How often will you exercise?
तुम कितनी बार किताब पढ़ोगे/पढ़ोगी? – How often will you read a book?
तुम कितनी बार अपने दाँत साफ करोगे/करोगी? – How often will you brush your teeth?
तुम कितनी बार अपने कमरे की सफाई करोगे/करोगी? – How often will you clean your room?
तुम कितनी बार अपने दोस्तों से मिलोगे/मिलोगी? – How often will you meet your friends?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

# "सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

**प्र.1. प्रतिवर्ष 25 अगस्त से 8 सितंबर तक भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा दृष्टिहीनता निवारण और कॉर्निया प्रत्यारोपण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने हेतु कौन-सा राष्ट्रीय पखवाड़ा आयोजित किया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)**

उत्तर: राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा (National Eye Donation Fortnight)

व्याख्या: भारत में प्रतिवर्ष 25 अगस्त से 8 सितंबर तक 'राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा' मनाया जाता है। इसका उद्देश्य कॉर्नियल अंधापन से पीड़ित व्यक्तियों की दृष्टि लौटाने के लिए मरणोपरांत नेत्रदान को एक जन-आंदोलन बनाना है। भारत में लाखों लोग कॉर्नियल अपारदर्शिता के कारण दृष्टिहीन हैं, जिनका उपचार केवल कॉर्निया प्रत्यारोपण (Keratoplasty) द्वारा संभव है। मृत्यु के 4 से 6 घंटे के भीतर नेत्र बैंक को सूचित कर किसी व्यक्ति के नेत्र सुरक्षित संरक्षित किए जा सकते हैं, जिससे दो दृष्टिहीन व्यक्तियों का जीवन पुनः प्रकाशमय हो सकता है।

संदर्भ: Ministry of Health and Family Welfare (MoHFW) National Health Portal;

**प्र.2. अगस्त 2026 में भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा भारत सेमीकंडक्टर मिशन (ISM) के तहत 28nm और उससे उन्नत नोड के सिलिकॉन फैब्रिकेशन हेतु किस राज्य में पहले वाणिज्यिक सेमीकंडक्टर फैब प्लांट का निर्माण कार्य तेज किया गया? (समसामयिक घटना)**

उत्तर: गुजरात (धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र)

व्याख्या: भारत को सेमीकंडक्टर डिजाइन और विनिर्माण का वैश्विक हब बनाने के लिए 'भारत सेमीकंडक्टर मिशन' (ISM) के अंतर्गत गुजरात के धोलेरा में देश के पहले वाणिज्यिक सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन (Fab) प्लांट की स्थापना की गई है। अगस्त 2026 में इसके अत्याधुनिक क्लीन-रूम और उपकरण स्थापना का महत्वपूर्ण चरण पूरा हुआ। यह संयंत्र ऑटोमोबाइल, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स, 5G दूरसंचार और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए माइक्रोचिप्स का घरेलू उत्पादन सुनिश्चित करेगा, जिससे विदेशी आयात पर निर्भरता कम होगी और भारत की तकनीकी संप्रभुता सुदृढ़ होगी।

संदर्भ: Ministry of Electronics and Information Technology (MeitY) ISM Reports August 2026;

**प्र.3. भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था, ग्रामीण राजनीति और संस्थागत भ्रष्टाचार पर तीखा व्यंग्य करने वाले प्रसिद्ध हिंदी उपन्यास 'राग दरबारी' (1968) के लेखक कौन हैं, जिन्हें इसके लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था? (पुस्तक एवं लेखक)**

उत्तर: श्रीलाल शुक्ल

व्याख्या: 'राग दरबारी' (1968) आधुनिक हिंदी साहित्य का एक कालजयी व्यंग्य उपन्यास है, जिसके रचनाकार ज्ञानपीठ एवं साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित श्रीलाल शुक्ल हैं। इस उपन्यास में उत्तर प्रदेश के काल्पनिक गाँव 'शिवपालगंज' की पृष्ठभूमि के माध्यम से स्वाधीनता के पश्चात ग्रामीण भारत की पंचायत व्यवस्था, शिक्षा तंत्र, सहकारी समितियों और न्याय प्रणाली में व्याप्त मूल्यहीनता तथा पाखंड का यथार्थवादी और मर्मस्पर्शी चित्रण किया गया है। इसके प्रमुख पात्र 'रंगनाथ' और 'वैद्य जी' भारतीय प्रशासनिक और राजनीतिक व्यवस्था की विसंगतियों को बेनकाब करते हैं।

संदर्भ: श्रीलाल शुक्ल — 'राग दरबारी', राजकमल प्रकाशन; साहित्य अकादमी अभिलेख; NCERT Hindi Class 12

**प्र.4. भारत के किस उत्तर-पूर्वी राज्य में ब्रह्मपुत्र नदी के कछार पर स्थित 'काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान' एक-सींग वाले भारतीय गैंडे (Great One-Horned Rhinoceros) के वैश्विक संरक्षण का सबसे बड़ा प्राकृतिक आवास है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)**

उत्तर: असम (गोलाघाट और नगांव जिला)

व्याख्या: काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान असम राज्य में ब्रह्मपुत्र नदी के बाढ़ के मैदानों में फैला एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल (1985) है। यह दुनिया के कुल एक-सींग वाले गैंडों (Rhinoceros unicornis) की दो-तिहाई से अधिक आबादी का पोषण करता है। यहाँ हाथी घास के सघन मैदान, दलदली भूमि और उष्णकटिबंधीय आर्द्र चौड़ी पत्ती वाले वन पाए जाते हैं। यह क्षेत्र 'बिग फाइव' जीवों — गैंडा, बाघ, एशियाई हाथी, जंगली जल भैंस और दलदली हिरण (बारहसिंगा) के लिए प्रसिद्ध है। मानसून में ब्रह्मपुत्र की बाढ़ यहाँ के पारिस्थितिक तंत्र के नवीनीकरण और गाद निक्षेपण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 10 (समकालीन भारत-2), Ch 2 "वन एवं वन्य जीव संसाधन", p. 18–21; UNESCO World Heritage Centre;

**प्र.5. सिंधु घाटी सभ्यता का वह प्रसिद्ध बंदरगाह नगर कौन-सा है जो गुजरात के भाल क्षेत्र में साबरमती की सहायक भोगवा नदी के तट पर स्थित था और जहाँ विश्व का सबसे प्राचीन कृत्रिम गोदीवाड़ा (Dockyard) प्राप्त हुआ है? (इतिहास)**

उत्तर: लोथल (गुजरात)

व्याख्या: लोथल हड़प्पा सभ्यता का एक प्रमुख व्यापारिक बंदरगाह नगर था, जिसकी खोज 1954 में पुरातत्वविद् एस. आर. राव ने की थी। यह वर्तमान गुजरात के अहमदाबाद जिले में भोगवा नदी के किनारे स्थित है। यहाँ पकी ईंटों से निर्मित एक विशाल गोदीवाड़ा (डॉकयार्ड) मिला है, जो ज्वार-भाटे के जल प्रबंधन का अद्भुत प्राचीन इंजीनियरिंग नमूना था। यहाँ से मेसोपोटामिया और फारस की खाड़ी के साथ समुद्री व्यापार के प्रमाण मिले हैं। लोथल से मनके बनाने का कारखाना, अग्निकुंड (यज्ञवेदियां), हाथीदांत का पैमाना और फारस की मुहरें भी प्राप्त हुई हैं।

संदर्भ: NCERT History Class 6 (हमारे अतीत-1), Ch 4 "आरंभिक नगर", p. 34–38; NCERT Class 12 (Themes in Indian History Part-1), Ch 1 Bricks, Beads and Bones, p. 12–16.

# "सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. प्रायद्वीपीय भारत और पश्चिमी घाट (सह्याद्रि) की सबसे ऊँची पर्वत चोटी कौन-सी है जो केरल राज्य की अन्नामलाई पहाड़ियों में स्थित है? (भूगोल)
उत्तर: अनाईमुडी (Anaimudi - 2,695 मीटर)
व्याख्या: 'अनाईमुडी' (जिसका शाब्दिक अर्थ 'हाथी का माथा' है) प्रायद्वीपीय भारत और दक्षिण भारत की सबसे ऊंची पर्वत चोटी है, जिसकी समुद्र तल से ऊंचाई 2,695 मीटर (8,842 फीट) है। यह केरल के इडुक्की जिले में पश्चिमी घाट की अन्नामलाई पर्वत श्रृंखला में स्थित है और 'इराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान' के अंतर्गत आती है। यह चोटी तीन पर्वत श्रृंखलाओं — अन्नामलाई, पलनी और इलायची (कार्डमम) पहाड़ियों का मिलन बिंदु है। प्रायद्वीपीय भारत की दूसरी सबसे ऊंची चोटी नीलगिरी पहाड़ियों में स्थित 'डोडाबेट्टा' (2,637 मीटर) है।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 2 "भारत का भौतिक स्वरूप", p. 12–14; NCERT Class 11 India Physical Environment, Ch 2 Structure and Physiography, p. 15–18.

प्र.7. डॉ. भीमराव अंबेडकर ने भारतीय संविधान के किस मौलिक अधिकार और अनुच्छेद को "संविधान का हृदय और आत्मा" (Heart and Soul of the Constitution) की संज्ञा दी थी? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 32 (संवैधानिक उपचारों का अधिकार)
व्याख्या: संविधान सभा में प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. बी. आर. अंबेडकर ने अनुच्छेद 32 (संवैधानिक उपचारों का अधिकार) को संविधान का सबसे महत्वपूर्ण अनुच्छेद बताते हुए 'संविधान की आत्मा और हृदय' कहा था। यह अनुच्छेद किसी भी नागरिक के मौलिक अधिकारों का हनन होने पर सीधे सर्वोच्च न्यायालय जाने का अधिकार देता है। इसके तहत सर्वोच्च न्यायालय मौलिक अधिकारों की रक्षा हेतु 5 प्रकार की रिटें जारी कर सकता है: (1) बंदी प्रत्यक्षीकरण, (2) परमादेश, (3) प्रतिषेध, (4) उत्प्रेषण और (5) अधिकार-पृच्छा। इसके बिना अन्य सभी मौलिक अधिकार अर्थहीन हो जाते हैं।
संदर्भ: Constitution of India, Part III, Article 32; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 2 "भारतीय संविधान में अधिकार", p. 40–43.

प्र.8. मानव आँख की सबसे भीतरी प्रकाश-संवेदनशील परत कौन-सी है, जिस पर वस्तु से आने वाली प्रकाश किरणें लेंस द्वारा अपवर्तित होकर वास्तविक और उल्टा प्रतिबिंब बनाती हैं? (विज्ञान)
उत्तर: रेटिना (दृष्टिपटल / Retina)
व्याख्या: रेटिना मानव नेत्र के पिछले भाग में स्थित एक अत्यंत नाजुक और जटिल प्रकाश-संवेदनशील झिल्लीदार परत है। इसमें लाखों सूक्ष्म संवेदी कोशिकाएं होती हैं — 'शलाका' (Rods), जो मंद प्रकाश की तीव्रता के प्रति संवेदनशील होती हैं और 'शंकु' (Cones), जो तीव्र प्रकाश तथा विभिन्न रंगों की पहचान करती हैं। जब कॉर्निया और क्रिस्टलीय लेंस से अपवर्तित होकर प्रकाश रेटिना पर केंद्रित होता है, तो ये प्रकाश-संवेदी कोशिकाएं सक्रिय होकर विद्युत संकेत उत्पन्न करती हैं। ये संकेत 'दृक तंत्रिका' (Optic Nerve) के माध्यम से मस्तिष्क तक भेजे जाते हैं, जहाँ मस्तिष्क इनका सीधा बिंब संसाधित करता है।
संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 11 "मानव नेत्र तथा रंगबिरंगा संसार", p. 207–210; NCERT Class 11 Biology, Ch 21 Neural Control and Coordination, p. 322–324.

प्र.9. तमिलनाडु के तंजौर मंदिरों में देवदासियों द्वारा भक्ति और समर्पण की अभिव्यक्ति के रूप में विकसित हुआ भारत का सबसे प्राचीन शास्त्रीय नृत्य कौन-सा है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: भरतनाट्यम (Bharatnatyam)
व्याख्या: भरतनाट्यम भारत की सबसे प्राचीन शास्त्रीय नृत्य शैलियों में से एक है, जिसकी उत्पत्ति तमिलनाडु के हिंदू मंदिरों में लगभग 2,000 वर्ष पूर्व हुई थी। प्राचीन काल में इसे 'दासीअट्टम' या 'सधिर' कहा जाता था। यह भरत मुनि के 'नाट्यशास्त्र' और नंदिकेश्वर के 'अभिनय दर्पण' के सिद्धांतों पर आधारित है। इसमें 'नृत्त' (शुद्ध लयबद्ध ताल), 'नृत्य' (भाव और रस) और 'नाट्य' (अभिनय) का अद्भुत समन्वय होता है। 20वीं शताब्दी में ई. कृष्णा अय्यर और रुक्मिणी देवी अरुंडेल (कलाक्षेत्र फाउंडेशन की संस्थापक) ने इस शास्त्रीय कला को पुनर्जीवित कर वैश्विक प्रतिष्ठा दिलाई।
संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (An Introduction to Indian Art Part-1), Ch 8; Sangeet Natak Akademi Official Records; UPSC GS-I Art & Culture Reference Compendium.

प्र.10. बिहार के एकमात्र राष्ट्रीय उद्यान एवं टाइगर रिजर्व के रूप में अधिसूचित 'वाल्मीकि राष्ट्रीय उद्यान' बिहार के किस उत्तर-पश्चिमी सीमांत जिले में स्थित है? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: पश्चिम चंपारण (West Champaran)
व्याख्या: वाल्मीकि राष्ट्रीय उद्यान एवं व्याघ्र अभयारण्य (Valmiki Tiger Reserve) बिहार का एकमात्र राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व है, जो राज्य के उत्तर-पश्चिमी कोने पर पश्चिम चंपारण जिले में स्थित है। यह हिमालय की शिवालिक पर्वत श्रृंखला की तलहटी में 898 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है और उत्तर में नेपाल के 'चितवन राष्ट्रीय उद्यान' से सटा हुआ है। गंडक नदी इसकी पश्चिमी सीमा बनाती है। यहाँ नम पर्णपाती और तराई के घने जंगल हैं, जहाँ रॉयल बंगाल टाइगर, तेंदुआ, भारतीय गौर, जंगली भालू, चीतल तथा घड़ियाल पाए जाते हैं। यह बिहार के पारिस्थितिक संतुलन का प्रमुख केंद्र है।
संदर्भ: Environment and Forest Department, Government of Bihar; Bihar State Disaster Management Profile; BPSC Special Bihar General Studies Compendium.

# "सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (सुरक्षित शनिवार: अगस्त W4 – नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव) के अनुसार यदि पानी से बाहर निकाले गए डूबते व्यक्ति की नब्ज और सांस बंद हो, तो उसे होश में लाने हेतु कौन-सी प्राथमिक चिकित्सा तकनीक तुरंत दी जानी चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: सीपीआर (CPR - Cardiopulmonary Resuscitation)

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' आपदा प्रशिक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार, पानी में डूबने की दुर्घटना में व्यक्ति को सुरक्षित किनारे पर लाने के बाद तत्काल निम्नलिखित प्राथमिक कदम उठाने चाहिए: (1) व्यक्ति को पीठ के बल समतल जमीन पर लिटाएं और मुंह से पानी, झाग या कीचड़ साफ करें ताकि श्वसन नली खुली रहे; (2) यदि सांस और नाड़ी बंद हो, तो तुरंत 'कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन' (CPR) शुरू करें; (3) दोनों हाथों की हथेलियों से छाती के केंद्र (स्टर्नम) पर प्रति मिनट 100 से 120 की गति से 30 बार तेज व गहरा दबाव दें और इसके बाद 2 बार कृत्रिम सांस (माउथ-टू-माउथ) दें; (4) यह प्रक्रिया तब तक जारी रखें जब तक व्यक्ति में सांस न लौटे या आपातकालीन चिकित्सा दल (एंबुलेंस 108/112) न पहुंच जाए।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module August W4 – "नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के संदर्भ में जानकारी"

प्र.12. एक संख्या के 4 गुने में 18 जोड़ने पर प्राप्त परिणाम उसी संख्या के 7 गुने में से 12 घटाने पर प्राप्त परिणाम के बराबर होता है। वह संख्या क्या है? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 10 (दस)

व्याख्या: माना कि अज्ञात संख्या x है। प्रश्नानुसार रैखिक समीकरण (Linear Equation) बनाते हैं:

संख्या का 4 गुना + 18 = $4x + 18$

संख्या का 7 गुना - 12 = $7x - 12$

दोनों मान बराबर हैं:

$4x + 18 = 7x - 12$

चर और अचर पदों का पक्षांतरण करने पर:


GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।


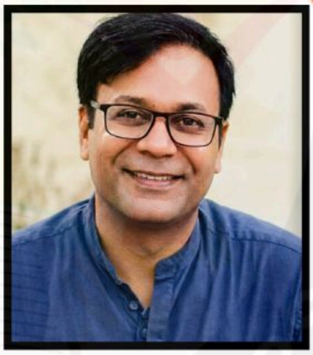

## अनुभाग-4

# -: शब्द - संगम :-

Paucity (पॉसिटी) = Scarcity (स्केर्सिटी) = कमी / अभाव
    Antonym – Abundance (अबन्डन्स) = प्रचुरता
Prolific (प्रोलिफिक) = Productive (प्रोडक्टिव) = अत्यधिक उत्पादक / विपुल
    Antonym – Unproductive (अनप्रोडक्टिव) = अनुत्पादक
Recalcitrant (रिकैल्सिट्रन्ट) = Defiant (डिफ़ायन्ट) = हठी / अवज्ञाकारी
    Antonym – Obedient (ओबीडियन्ट) = आज्ञाकारी
Sanguine (सैंग्विन) = Optimistic (ऑप्टिमिस्टिक) = आशावादी / सकारात्मक
    Antonym – Pessimistic (पेसिमिस्टिक) = निराशावादी
Surreptitious (सरेप्टिशस) = Secret (सीक्रेट) = गुप्त / चोरी-छिपे किया गया
    Antonym – Overt (ओवर्ट) = खुला / प्रत्यक्ष

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

# "आज का अख़बार"

## NATIONAL NEWS

English Headline: Ministry of Electronics and IT Launches 'National AI Supercomputing and Quantum Grid 7.0' to Expand Deep-Tech Research.
हिन्दी अनुवाद: इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने डीप-टेक अनुसंधान के विस्तार के लिए 'राष्ट्रीय एआई सुपरकंप्यूटिंग एवं क्वांटम ग्रिड 7.0' की शुरुआत की।
केंद्र सरकार ने देश भर के प्रमुख शोध संस्थानों और तकनीकी स्टार्टअप्स को उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग (HPC) क्षमता, क्वांटम सिमुलेटर और एआई प्रशिक्षण संसाधन उपलब्ध कराने के लिए एक नया राष्ट्रीय ढांचा अधिसूचित किया है। इसका उद्देश्य महत्वपूर्ण डिजिटल और रणनीतिक क्षेत्रों में स्वदेशी तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देना है।

English Headline: NITI Aayog Releases 'National Sustainable Agri-Cold Chain and Rural Logistics Index 2026', Highlighting FPO Integration.
हिन्दी अनुवाद: नीति आयोग ने एफआईओ (FPO) एकीकरण को रेखांकित करते हुए 'राष्ट्रीय सतत कृषि-शीत श्रृंखला एवं ग्रामीण लॉजिस्टिक्स सूचकांक 2026' जारी किया।
नीति आयोग द्वारा जारी नवीनतम मूल्यांकन में कृषि उपज के नुकसान को कम करने, ग्रामीण स्तर पर सौर कोल्ड स्टोरेज के विस्तार और किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) के सशक्तिकरण में महाराष्ट्र, गुजरात और उत्तर प्रदेश शीर्ष प्रदर्शनकर्ता बनकर उभरे हैं। यह रिपोर्ट खाद्य आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ करने के राष्ट्रीय लक्ष्यों का आकलन करती है।

English Headline: ISRO Successfully Completes Structural Qualification Testing of Next-Generation Launch Vehicle (NGLV) Fuel Tanks.
हिन्दी अनुवाद: इसरो ने अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण वाहन (NGLV) के ईंधन टैंकों का संरचनात्मक योग्यता परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया।
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (VSSC) में आगामी भारी-पेलोड प्रक्षेपण वाहनों के लिए हल्के वजन वाले उन्नत मिश्र धातु ईंधन टैंकों का सफल दबाव परीक्षण किया। यह उपलब्धि भविष्य के मानवयुक्त अंतरिक्ष अभियानों और भारी उपग्रह प्रक्षेपणों को मजबूत करेगी।

## INTERNATIONAL NEWS

English Headline: UN General Assembly Adopts Global Framework on 'Responsible AI Innovation and Cybersecurity Resilience for Critical Infrastructure'.
हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 'महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के लिए जिम्मेदार एआई नवाचार और साइबर सुरक्षा लचीलापन' पर वैश्विक ढांचा अपनाया।
न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित विशेष सत्र के दौरान सदस्य राष्ट्रों ने उन्नत कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नैतिक उपयोग और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रणालियों को साइबर खतरों से सुरक्षित रखने के लिए एक बहुपक्षीय समझौते को मंजूरी दी। इसका उद्देश्य वैश्विक साइबर सुरक्षा मानकों को मजबूत करना है।

English Headline: World Bank and Asian Development Bank Announce Joint $4.0 Billion South Asian Climate-Resilient Infrastructure Facility.
हिन्दी अनुवाद: विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक ने दक्षिण एशियाई जलवायु-लचीले बुनियादी ढांचे के लिए संयुक्त $4.0 बिलियन की सुविधा की घोषणा की।
जलवायु परिवर्तन के प्रभावों, चक्रवाती तूफानों और बाढ़ के जोखिमों का सामना कर रहे दक्षिण एशियाई देशों (भारत, बांग्लादेश और नेपाल) के तटीय तथा नदी बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए यह बहुपक्षीय वित्तीय पैकेज स्वीकृत किया गया है। यह फंड क्षेत्रीय तटीय सुरक्षा को बढ़ावा देगा।

English Headline: World Health Organization (WHO) Launches 'Global Pathogen Genomic Surveillance Network 5.1' for Real-Time Zoonotic Outbreak Tracking.
हिन्दी अनुवाद: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने वास्तविक समय में जूनोटिक प्रकोप की निगरानी के लिए 'ग्लोबल पैथोजन जीनोमिक सर्विलांस नेटवर्क 5.1' लॉन्च किया।
बढ़ते तापमान और पर्यावरणीय बदलावों के कारण उभरते संक्रामक रोगों के म्यूटेशन की समय रहते पहचान करने के लिए डब्ल्यूएचओ ने जिनेवा में इस उन्नत डिजिटल सर्विलांस प्लेटफॉर्म का विस्तार किया है। यह नेटवर्क संभावित महामारियों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों को पूर्व चेतावनी जारी करेगा।

## BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Cabinet Approves 'Mukhyamantri Agro-Processing and Export Promotion Hub Policy 2026' with Special GI Subsidies.
हिन्दी अनुवाद: बिहार कैबिनेट ने विशेष जीआई सब्सिडी के साथ 'मुख्यमंत्री कृषि-प्रसंस्करण एवं निर्यात प्रोत्साहन हब नीति 2026' को मंजूरी दी। राज्य के पारंपरिक और भौगोलिक संकेतक (GI) प्रमाणित कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन और वैश्विक निर्यात को बढ़ावा देने के लिए बिहार सरकार ने वित्तीय प्रोत्साहन योजना स्वीकृत की है। इसके तहत मिथिला मखाना, मुजफ्फरपुर की शाही लीची और कतरनी चावल इकाइयों को आधुनिक प्रसंस्करण और पैकेजिंग के लिए विशेष पूंजीगत सहायता दी जाएगी।

English Headline: Bihar Forest and Climate Change Department Initiates High-Resolution Satellite Mapping of Wetlands in Kosi-Gandak Basin.
हिन्दी अनुवाद: बिहार वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने कोसी-गंडक बेसिन में आर्द्रभूमियों की उच्च-रिज़ॉल्यूशन उपग्रह मैपिंग शुरू की। उत्तर और उत्तर-पूर्वी बिहार की प्राकृतिक आर्द्रभूमियों (Wetlands) और पारंपरिक जल निकायों के संरक्षण के लिए वन विभाग ने सैटेलाइट-आधारित रिमोट सेंसिंग मैपिंग अभियान शुरू किया है। इसका मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक जल निकायों के अतिक्रमण को रोकना और क्षेत्रीय भूजल पुनर्भरण को सुदृढ़ बनाना है।

## SPORTS NEWS

English Headline: Indian Archery Contingent Clinches Multiple Gold and Silver Medals in World Archery Cup Stage Finals.
हिन्दी अनुवाद: भारतीय तीरंदाजी दल ने विश्व तीरंदाजी कप चरण के फाइनल में कई स्वर्ण और रजत पदक हासिल किए। अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय तीरंदाजों ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखते हुए रिकर्व और कंपाउंड दोनों श्रेणियों में सटीक निशानेबाजी के दम पर शीर्ष स्थान हासिल किया और पदक तालिका में अपनी बढ़त मजबूत की।

English Headline: Badminton World Federation (BWF) Deploys Advanced AI-Driven Analytics for Player Workload and Injury Prevention.
हिन्दी अनुवाद: बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) ने खिलाड़ी कार्यभार और चोट की रोकथाम के लिए उन्नत एआई-संचालित एनालिटिक्स तैनात किया।
अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन कैलेंडर में खिलाड़ियों की शारीरिक फिटनेस बनाए रखने और चोटों के जोखिम को कम करने के उद्देश्य से बीडब्ल्यूएफ ने नए तकनीकी निगरानी प्रोटोकॉल लागू किए हैं, जो प्रमुख टूर्नामेंटों के दौरान खिलाड़ियों के स्वास्थ्य का वास्तविक समय में विश्लेषण करेंगे।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।


✍️ संदेश:

"खबरें केवल वर्तमान का दर्पण नहीं होतीं, बल्कि वे भविष्य के अवसरों और चुनौतियों को समझने की दृष्टि प्रदान करती हैं। निरंतर पढ़ते रहें और जागरूक रहें।"

## प्रेरक प्रसंग

# पेड़ की राखी

रक्षा बंधन पर अनया और उसका बड़ा भाई अभय हर साल की तरह इस बार भी गाँव आए थे। घर के आँगन में वही पुराना नीम का पेड़ खड़ा था, जिसके नीचे दोनों का बचपन बीता था। लेकिन इस बार पेड़ कुछ उदास-सा लग रहा था। उसकी कई शाखाएँ सूख चुकी थीं और जड़ों के आसपास प्लास्टिक तथा कूड़ा जमा था।

राखी बाँधने के बाद अनया की नजर पेड़ पर पड़ी। उसने थाली में बची एक राखी उठाई और नीम के तने पर बाँध दी। अभय ने पूछा कि वह ऐसा क्यों कर रही है। अनया ने कहा कि जिस पेड़ ने वर्षों तक धूप में छाया, पक्षियों को आश्रय और मिट्टी को थामे रखा, उसकी देखभाल करना भी तो हमारा दायित्व है।

बात आगे बढ़ी तो दोनों को स्कूल में पढ़ी एक बात याद आई—प्रकृति का संतुलन बिगड़ता है तो उसका असर केवल पेड़ों पर नहीं, पूरे जीवन पर पड़ता है।

पेड़ कटते हैं तो मिट्टी कमजोर होती है, वर्षा का पानी तेजी से बहता है और बाढ़ तथा भूस्खलन का खतरा बढ़ सकता है। दूसरी ओर, जंगल और जलस्रोत सूखते जाएँ तो वर्षा का पानी जमीन में कम पहुँचता है और सूखे की स्थिति गंभीर हो सकती है। इसलिए प्रकृति की रक्षा केवल पेड़ लगाने तक सीमित नहीं, बल्कि जल, मिट्टी, जंगल और जीव-जंतुओं के संतुलन को बचाने का काम है।

दोनों ने उस दिन नीम के आसपास सफाई की। घर के बड़ों और गाँव के बच्चों को साथ लेकर उन्होंने खाली जगहों पर स्थानीय पौधे लगाने, वर्षा जल को रोकने और जलस्रोतों को कचरे से बचाने का संकल्प लिया।

अभय ने कहा कि राखी का धागा केवल रिश्तों की याद नहीं दिलाता, वह जिम्मेदारी भी याद दिला सकता है।

उस रक्षा बंधन पर एक राखी भाई की कलाई पर थी और दूसरी प्रकृति के नाम। दोनों राखियाँ उन्हें हर वर्ष याद दिलाने वाली थीं कि प्रकृति सुरक्षित होगी, तभी हमारा जीवन और भविष्य सुरक्षित रहेगा।

**सीख**

प्रकृति से छेड़छाड़ का परिणाम केवल पर्यावरण को नहीं, हमारे जीवन को भी भुगतना पड़ता है। जंगल, जल और मिट्टी का संतुलन बचाना ही बाढ़, सूखा और भूस्खलन जैसी आपदाओं के खतरे को कम करने की दिशा में हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

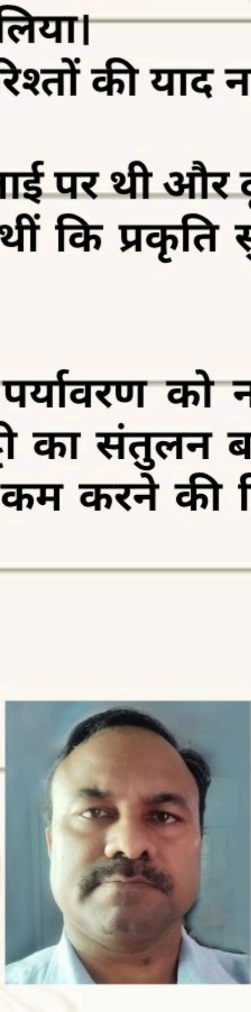

.................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

# लोक नृत्य "झारी"

## चम्पारण की खास लोक संगीत/नृत्य "झारी"

बिहार के तराई और चंपारण की सोंधी माटी में सावन की फुहारों के बीच जब हवाएं सरसराती हैं, तो वहां की चौपालों और सड़कों पर गूंजने वाली छड़ियों की 'खट-खट' की ताल सिर्फ एक आवाज़ नहीं, बल्कि सदियों पुरानी सांस्कृतिक जीवंतता की धड़कन है। गुजरात के डांडिया या देश के अन्य हिस्सों के पारंपरिक लाठी नृत्यों के समकक्ष खड़ी यह स्वदेशी लोककला "झारी" कहलाती है, जो मुख्य रूप से श्रावण मास, नागपंचमी और कजरी के उल्लासभरे दिनों में अपनी पूरी ऊर्जा के साथ प्रकट होती है। यह नृत्य और गीत का एक ऐसा अनूठा संगम है जिसमें ग्रामीण समाज की सादगी, खेतों की महक और सामूहिक आनंद का असीम विस्तार समाहित है।

झारी की जड़ें चंपारण के कृषि समाज और श्रम-संस्कृति के बहुत गहरे में उतरी हुई हैं। ऐतिहासिक रूप से, धान की कठिन रोपनी के थकान भरे दिनों के बाद जब सावन की रिमझिम फुहारें वातावरण को सुहाना बनाती थीं, तब ग्रामीण युवा और किसान शाम ढलते ही चौपालों पर एकत्र होते थे। यह नृत्य उनके लिए केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि शारीरिक स्फूर्ति और मानसिक उल्लास का माध्यम था। इसमें जाति, वर्ग और उम्र के बंधन स्वतः टूट जाते थे और पूरा गांव एक गोल घेरे में आकर हाथ में मजबूत बांस की छड़ियां थाम लेता था। मौखिक परंपराओं के जरिए पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होती यह लोक शैली भगवान शिव की बारात, कृष्ण-लीला, प्रकृति के सौंदर्य और लोक-नायकों के आख्यानों को अपने गीतों के जरिए जीवंत रखती आई है।

झारी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसकी पहचान केवल किसी एक समुदाय की सांस्कृतिक सीमा में बंद नहीं रही। उपलब्ध लोक-साहित्य संबंधी दस्तावेजों में पूर्वांचल की ऐसी परंपराओं का उल्लेख मिलता है, जिनमें हिन्दू समुदाय के लोग मुहर्रम के अवसर पर भी झारी गाते, ताजिया बनाते अथवा उसमें सहभागी होते रहे हैं। लोकरंग की सामग्री में इस साझा परंपरा का प्रत्यक्ष उल्लेख मिलता है और यह भी बताया गया है कि मुहर्रम में झारी लकड़ी के डंडों को बजाकर गाई जाती है। मुहर्रम की ऐतिहासिक-सांस्कृतिक स्मृति, विशेषकर हसन और हुसैन की कथा, संघर्ष और शहादत, लोकभाषा और लोकधुन के माध्यम से सामान्य ग्रामीण समाज तक पहुँचती है। कई जगह झारी गीतों में हसन-हुसैन को योगी के रूप में प्रस्तुत करने वाले लोकगीत का भी उल्लेख मिलता है।

इस लोक शैली की सबसे बड़ी खूबी इसका आंतरिक संगीत और अद्वितीय रिदम है। झारी में किसी बड़े, भारी या कृत्रिम वाद्य यंत्र की अनिवार्यता नहीं होती; कलाकारों के हाथों में लहराती छड़ियों का आपसी टकराव ही वह प्राकृतिक ताल पैदा करता है जो रोंगटे खड़े कर देने वाली ऊर्जा भर देता है। इसमें 'अगुआ' (मुख्य गायक) द्वारा उठाई गई लोकगीत की एक पंक्ति को घेरे में घूम रहे बाकी साथी 'पछुवा' (कोरस) के रूप में एक निश्चित ताल और तीव्र गति से दोहराते हैं। नृत्य की शुरुआत जहां एक धीमी, अनुशासित और संयत लय से होती है, वहीं जैसे-जैसे रात गहरी होती है, इसका टेम्पो (गति) इतना द्रुत और मत्त करने वाला हो जाता है कि दर्शक और कलाकार दोनों लोक-लय की एक अलग ही दुनिया में पहुंच जाते हैं।

विडंबना यह है कि आधुनिकता की अंधी दौड़, मनोरंजन के नए साधनों और पारंपरिक मेलों व चौपालों के सिमटते दायरे ने चंपारण की इस अनमोल थाती को आज विलुप्ति के मुहाने पर ला खड़ा किया है। राज्य के सांस्कृतिक मानचित्र पर इसे वह आधिकारिक पहचान और आदर नहीं मिल पाया जिसकी यह हकदार थी। इसके पारंपरिक गीतों, धुनों और नृत्यों के चरणों का कोई ठोस डिजिटल या लिखित दस्तावेजीकरण न होने के कारण यह कला अब चंपारण के कुछ सुदूर गांवों के बुजुर्गों की स्मृतियों तक सिमट कर रह गई है। यदि समय रहते इसे संरक्षित नहीं किया गया, तो आने वाली पीढ़ियां इस समृद्ध विरासत को केवल किंवदंतियों के रूप में ही जान पाएंगी।

बिहार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, स्थानीय प्रशासन, विश्वविद्यालयों, विद्यालयों और सांस्कृतिक संगठनों के सहयोग से यदि ऐसे प्रयास किए जाएँ तो झारी जैसी लोकपरंपराएँ केवल संग्रहालय की वस्तु बनने से बच सकती हैं। युवा पीढ़ी इन्हें डिजिटल माध्यम, लोक-मंच, वृत्तचित्र और शैक्षिक गतिविधियों के माध्यम से नए दर्शकों तक पहुँचा सकती है।

इस अनमोल लोक-विरासत को बचाने के लिए अब केवल चिंता व्यक्त करने का नहीं, बल्कि युद्धस्तर पर सार्थक पहल करने का समय है। बिहार सरकार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग को चाहिए कि वे राजकीय महोत्सवों, लोक-उत्सवों और पर्यटन सर्किट में झारी के पारंपरिक दलों को मंच और प्रोत्साहन प्रदान करें, ताकि कलाकारों को आर्थिक संबल भी मिल सके।

साथ ही, आज की Gen Z और युवा पीढ़ी से यह गंभीर आह्वान है कि वे अपनी जड़ों से कटने के बजाय इस स्वदेशी ताल को अपनी आधुनिक सांस्कृतिक पहलों, डिजिटल रील्स और फ्यूजन संगीत का हिस्सा बनाएं। जब तक युवा अपनी मिट्टी की इस अनूठी लय पर गर्व करना नहीं सीखेंगे, तब तक हमारी लोक-पहचान अधूरी रहेगी। झारी को बचाना केवल एक विलुप्त होती कला को पुनर्जीवित करना नहीं है, बल्कि अपनी उस सामूहिक सांस्कृतिक आत्मा को बचाना है जो हमें हमारी पहचान से जोड़ती है।

.................✍️
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

# "पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

**संडे पॉजिटिव** सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

## चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

### निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

---

हिन्दुस्तान

## सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- ■ चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- ■ गर्मियो की छूट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

**01**
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

### सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे पेरक प्रसंग शामिल है।

---

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 — बगहा जागरण

## 'चंपारण–ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

**सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण** संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

**शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर:** पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

**कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता:** ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

**शिक्षा से बदलाव की दिशा:** 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

# "बिहार दर्शन : औरंगाबाद, अंक–2"

## 'संपादकीय'✍️

### शीर्षक: औरंगाबाद: देव का सूर्य मंदिर, उमगा का स्थापत्य और बिहार विभूति की विरासत

औरंगाबाद का ऐतिहासिक आभामंडल केवल भौगोलिक सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्राचीन सूर्य-उपासना, शैल-स्थापत्य और आधुनिक बिहार के निर्माण की महान गाथाओं का संगम है। इस जिले की सबसे बड़ी वैश्विक और आध्यात्मिक पहचान देव का सूर्य मंदिर (Deo Sun Temple) है। स्थापत्य की दृष्टि से यह मंदिर पूरे भारत में अद्वितीय है क्योंकि इसका प्रवेश द्वार पूर्वाभिमुख न होकर पश्चिमाभिमुख है। काले और नक्काशीदार पत्थरों से निर्मित इस नागर शैली के विशाल मंदिर का निर्माण त्रेतायुग के राजा ऐल और कालांतर में विश्वकर्मा परंपरा से जुड़ा माना जाता है। यहाँ वर्ष में दो बार (कार्तिक और चैत्र) आयोजित होने वाला 'देव छठ मेला' देश भर के लाखों श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का महातीर्थ है।

पुरातात्विक दृष्टि से मदनपुर प्रखंड में स्थित उमगा पहाड़ी (Umga Hills) को 'बिहार का हम्पी' कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। इस पहाड़ी पर पाल और प्रतिहार काल के लगभग 52 शैल-मंदिरों (Rock-cut Temples) के ऐतिहासिक अवशेष विद्यमान हैं। यहाँ ग्रेनाइट पत्थरों को तराशकर बनाया गया प्राचीन सूर्य-विष्णु मंदिर और सहस्त्रलिंगी शिवलिंग भारतीय वास्तुकला की उस समृद्ध परंपरा की गवाही देते हैं, जहाँ शैव, वैष्णव और जैन संस्कृतियों का अद्भुत समन्वय हुआ था। इसके अतिरिक्त, दाउदनगर का ऐतिहासिक दाउद खान का किला मध्यकालीन स्थापत्य और सामरिक इतिहास का प्रमुख साक्ष्य प्रस्तुत करता है।

आधुनिक भारतीय राजनीति और स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में औरंगाबाद ने देश को 'बिहार विभूति' डॉ. अनुग्रह नारायण सिन्हा जैसी महान विभूति दी। पोइयावां गाँव में जन्मे अनुग्रह बाबू चंपारण सत्याग्रह (1917) में महात्मा गांधी के प्रमुख सहयोगी रहे और आधुनिक बिहार के पहले उपमुख्यमंत्री व वित्तमंत्री के रूप में उन्होंने राज्य की औद्योगिक व वित्तीय नींव रखी। उनके साथ ही, सत्येंद्र नारायण सिन्हा (छोटे साहब) ने भी इस क्षेत्र की राजनीतिक चेतना को राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व प्रदान किया।

भारतीय स्वाधीनता संग्राम में औरंगाबाद की क्रांतिकारी चेतना अग्रिम पंक्ति में रही। 1942 के 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान गोह, दाउदनगर और नबीनगर के स्थानीय युवाओं व किसानों ने ब्रिटिश संचार व्यवस्था और थानों पर धावा बोलकर हुकूमत को हिला दिया था। अंग्रेजों की गोलियों की परवाह किए बिना इस माटी के अनेक सेनानियों ने जेल की यातनाएँ सहीं और स्वतंत्रता की बलिवेदी पर अपना सर्वस्व न्योछावर किया।

औरंगाबाद का यह दूसरा ऐतिहासिक अंक यह प्रमाणित करता है कि यहाँ की माटी में सनातन सूर्य-साधना का आभामंडल, उमगा की पाषाण-कला का गौरव और आधुनिक राष्ट्र-निर्माण की मेधा एक साथ प्रवाहित होती है। देव मंदिर का पश्चिमी सिंहद्वार हो, उमगा के प्राचीन शैल-स्तंभ हों या अनुग्रह बाबू का दूरदर्शी नेतृत्व—ये सभी तत्व मिलकर औरंगाबाद को बिहार के गौरवशाली इतिहास का एक अमिट मुकुटमणि बनाते हैं।

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

# "चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

**आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏**

# Thank You..

**बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।**

**संपादक:-**

**शैलेन्द्र कुमार**

**'प्रधान शिक्षक'**

Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)
📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।


+917250818080
teachersofbihar@gmail.com
+917250818080
www.teachersofbihar.org